an>

Title: Need to provide special package to Baharaich-Parliamentary Constituency for the construction of canals, roads etc.

साध्वी सावित्री बाई फूले (बहराइच) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ। महोदया, मैं सदन का ध्यान उत्तर प्रदेश के नेपाल सीमा से जुड़े हुए तराई क्षेत्र विशेषकर मेरे संसदीय क्षेत्र बकहराइच की तरफ दिलाना चाहूंगी जो हर साल बाढ़ की विभीषिका से प्रभावित होता है। इस बाढ़ का कारण बरसात में नेपाल द्वारा छोड़ा जाने वाला पानी है। अचानक ही पानी के तेज बहाव के कारण लाखों लोगों का जीवन को तबाह हो जाता है। इस साल भी अगस्त माह में रात के पहर जब गावों, कस्बों के लोग सो रहे थे, नेपाल की ओर से बैराज के गेट अचानक खोल दिए गए और रातों-रात बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, लखीमपुर, सीतापुर का काफी इलाका जलमग्न हो गया। अचानक आई इस बाढ़ से लोगों को अपने पशुधन आदि को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का मौका भी नहीं मिला और लोग आसमान के नीचे सड़कों पर आ कर रात गुजारने को मजबूर हो गए। मैं एवं आस-पास के अन्य सांसद भी स्वयं अपने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य में शामिल रहे। इस घटना में सैकड़ों जानें चली गई और जान-माल, कृषि एवं पशुधन का भयंकर नुकसान हुआ तथा नानपारा तहसील व महसी तहसील के अंतर्गत आने वाली सड़कें व पुल-पुलिया व नहरें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। माननीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह जी के द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा भी हुआ था।

महोदया, यह कोई पहली घटना नहीं है, अपितु इस क्षेत्र के लोग बाढ़ को हर साल झेलने के लिए मजबूर रहते हैं। इसके बाद हर साल बाढ़ राहत के नाम पर हाय-तौबा मचती है। मुआवजे की रकम को ले कर मारामारी होती है। फिर प्रशासन में लूट खसोट का अनवरत चक्कर चलता रहता है। अफसरों की जेबें भरती हैं और पीड़ित जनता राहत और बचाव के नाम पर सिर्फ घोषणाएं सुनती रहती है। ऐसी घटनाओं में प्रदेश की समाजवादी पार्टी की सरकार की संवेदनहीनता साफ दिखती है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सावित्री जी, शून्य काल में अपनी बात उठाते हुए सरकार के सामने सिर्फ अपनी मांग रखी जाती है। पूरे पेज के पेज को नहीं पढ़ना होता है। आप जल्दी अपनी बात समाप्त करें।

â€¦(व्यवधान)

साध्वी सावित्री बाई फूले : मैडम, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करती हूँ।

ऐसे समय में प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता साफ दिखती है, जब वे राजनीति साधने के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर मात्र औपचारिकता पूरी करती हैं और केंद्र सरकार द्वारा दी गई सहायता की जमकर लूट-खसोट करवाती है।

ऐसी स्थिति में मैं सरकार से मांग करती हूँ कि बाढ़ के पानी तथा नदी के कटान से जो सैकड़ों गांव प्रभावित हैं, उन गांवों को बचाने हेतु विशेष पैकेज दे कर नदी के पानी की ठोकर बंधवाकर कटान को रोकने का प्रबंध तथा सड़क व पुलिया की मरम्मत कराई जाए।